



छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमोन डेका ने नई दिल्ली में अपने आवास पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधकृष्णन से मुलाकात की।

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 110 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

जालंधर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बम से उड़ाने की धमकी

जालंधर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पंजाब ट्रेपर पर हैं। अमित शाह जालंधर में एक रैली को संबोधित करेंगे। वहीं उनकी इस रैली से पहले बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ये धमकी एक ई-मेल के जरिए प्राप्त हुई है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली, स्कूलों, देवी तालाब मंदिर और बसों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। ई-मेल में जालंधर के स्कूलों में सुबह 11.11 बजे, श्री देवी तालाब मंदिर में दोपहर 12-11 बजे, कोर्ट परिसर में 2-11 बजे और एक कार्यालय में 3-11 बजे धमाका करने की धमकी दी गई। धमकी भरे ई-मेल में दावा किया गया है कि जालंधर में अमित शाह की रैली के स्टेशन के नीचे ललईडी लगाया गया है। इसके अलावा रैली में लोगों को खाने वाली 2,000 बसों में से 2-3 बसों में बम होने की बात भी कही गई है। ई-मेल के लाइट में 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' और 'बब्बर खालसा (परदार-कनाडा)' के नाम लिखे गए हैं। इसके साथ गुरमुख सिंह, जे. गुरनदेव सिंह, प्रो. गुरपाल सिंह और प्रो. गुरनार सिंह के नाम भी दर्ज हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। दोआब की 23 विधानसभा सीटों को साधने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जालंधर-लुधियाना हाईवे से सटे परामपुर में रैली को संबोधित करेंगे। इसी रैली में भाजपा की ओर से निकाली गई नशानुक पंजाब की 4 यात्राओं का समापन होगा।

उमर खालिद और शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगा मामले से जुड़ी बड़ी खबरों के आरोपों निरापरा उमर खालिद और शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश को देखते हुए वह अभी जमानत नहीं दे सकते। जस्टिस प्रतिभा एन. सिंह और जस्टिस दिलीप भट्ट की बेंच ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई की। दरअसल, उमर खालिद और शरजील इमाम ने कड़कड़गांवा ट्रायल कोर्ट के 4 जुलाई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी जमानत याचिका तीसरी बार खारिज कर दी गई थी। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जनवरी 2026 के उस आदेश का हवाला दिया था, जिसमें उन्हें तत्काल निर्दोष जमानत देने से इनकार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह छूट दी थी कि यदि मामले के सुरक्षित और गोपनीय गवाहों के बयान दर्ज हो जाते हैं या फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक साल पूरे हो जाते हैं और ट्रायल में देरी होती है, तो वे निर्दोष अदालत में दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दोनों की जमानत का कड़ा विरोध किया है। पुलिस ने इन दोनों को दिल्ली दंगों का मास्टरमिंड और कमांड अर्थोसिटी बताया है।

पंजाब में 31 दिसंबर 2029 के बाद नहीं रहेगा कोई भी नशे का कारोबारी : अमित शाह

गृहमंत्री ने कहा-नशों के कारोबार को बढ़ावा देने वाले नहीं बना सकते पंजाब को नशा मुक्त

चंडीगढ़, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो 31 दिसंबर 2029 तक राज्य को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी सरकार पर पंजाब में नशे की समस्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग नशे के कारोबार को रोक नहीं सकते, वे पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकते। केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भी आआपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों से पंजाब को नशामुक्त करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। गृहमंत्री ने पंजाब के जवानों और किसानों की भूमिका का उल्लेख करते हुए



कहा कि राज्य के सैनिक देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार ने किसानों को 26 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर किसानों से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान करने की दिशा में काम किया जाएगा। अमित शाह ने युवाओं में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा की असमय मौत बेहद दुखद है। उन्होंने युवाओं से भाजपा को

समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे के दलदल से निकालने के साथ ही रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रग्स से संबंधित एक भी बैठक नहीं की। जालंधर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खोलने के केंद्र के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने ठुकरा दिया। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को भी गंभीर समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा की सभा के साथ पंजाब सरकार पर कथित विज्ञापन

आवंटन, भूमि और पोषण आहार से जुड़े मामलों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से विज्ञापन पर खर्च, 25 लाख रोजगार देने के वादे और राज्य में 16 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के दावे को लेकर सवाल किए। उन्होंने अवैध खनन से होने वाली आय को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना उठाया। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पंजाब की माताओं-बहनों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि 31 दिसंबर 2029 के बाद उनके बच्चों को 'चिट्ठा' उपलब्ध कराने वाला कोई कारोबारी नहीं बचेगा और नशे का कारोबार करने वालों को जेल भेजा जाएगा। यह भाजपा की ओर से घोषित चुनावी लक्ष्य और वादा है। उल्लेखनीय है कि भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' 18 सितंबर को शुरू हुई थी। पार्टी के अनुसार, चार चरणों में निकाली गई इस यात्रा ने पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों को कवर करते हुए करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की। जालंधर में अमित शाह की सभा के साथ यात्रा का समापन हुआ।

हमें युवाओं को हर हाल में नशे से बचाना होगा: मुख्यमंत्री डॉ.यादव



मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त भारत के संकल्प के तहत कलेक्टरों को संबोधित किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवाओं को हर हाल में नशे से बचाएं। विशेष रूप से शहरों में जो हॉट स्पॉट हैं वहां निगरानी रखी जाए। जिला स्तर पर प्रत्येक माह बैठक होना चाहिए जिसमें नशा मुक्त भारत पर विचार के साथ क्रियान्वयन की दिशा में भी आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में नशा मुक्त भारत के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान की निश्चित समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में निरंतर समीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम भी उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस और आबकारी विभाग

आवश्यकतानुसार संयुक्त कार्रवाई में पीछे न हटें। बैठक में प्रजेंटेशन में बताया गया कि नशीली दवा, मादक पदार्थों में उत्पादन, व्यापार, सेवन और तस्करी पर रोक लगाने के लिए एडीपीएस एक्ट लागू है। इस कड़े कानून के तहत इस वर्ष प्रदेश में 2706 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। कुल 3690 आरोपियों से अगस्त 2026 तक 46 हजार 313 किलो मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। प्रतिबंधित कफ सीरप जप्त करने, शिक्षण संस्थानों की 500 मीटर परिधि में ड्रग्स फ्री परिसर बनाने, नशा मुक्त मित्रों का सहयोग प्राप्त करने और जिलों में नशा मुक्त केंद्रों की भूमिका सक्रिय बनाने के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। नशा मुक्त हेल्पलाइन 14446 को व्यवस्था भी लागू की गई है। आयोजित बैठक में मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, एडीजी नारकोटिक्स डी. श्रीनिवास बर्म सहित संबंधित अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण -111 (जीसी-111) योजना को मंजूरी प्रदान यादव ने आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय है। दीर्घकालिक ऊर्जा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

किसी भी भारतीय नागरिक को चुनावी प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जा सकता : कांग्रेस

इंडिया गठबंधन का देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च 2 से 8 अक्टूबर तक

गठबंधन के नेता राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात का समय मांगेंगे



नई दिल्ली। इस दौरान अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में गठबंधन के नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगेंगे। विपक्षी दलों ने आगे पांच बड़ी रैलियां आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। इनमें 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बड़ी रैली शामिल है, जिसमें विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे 'मदत चोरी' के आरोपों और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बैठक में मतदाता सुधियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन (ईवीएम)-वीवीपेट की व्यवस्था और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गठबंधन ने एसआईआर से संबंधित सभी मामलों का सर्वोच्च न्यायालय में शीघ्र निपटारा किए जाने की मांग भी रखी है। विपक्षी दलों ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची को लेकर अपनी आपत्तियों पर साझा रणनीति बनाने पर जोर दिया। खड़गे ने बैठक के बाद निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह निर्वाचन आयोग के

साथ कटपुतली के खेल जैसा व्यवहार कर रहे हैं और आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। खड़गे ने मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर भी आरोप लगाए और कहा कि विपक्ष इन मुद्दों को लेकर देशभर में आंदोलन करेगा। ये आरोप कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के राजनीतिक दावे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बैठक को सकारात्मक बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष इन मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगा और लोकतंत्र को किसी एक व्यक्ति से बड़ा बताया।

बिना विश्वसनीय चुनाव संभव नहीं हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक को अस्पष्ट, मनमाने या उचित निगरानी के बिना चुनावी प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। खड़गे ने एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर भी सवाल उठाए। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच हुई बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए सहयोग और प्रगाढ़ करने के लिए घनिष्ठ संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की।

राज्यसभा चुनाव के रण में समाजवादी पार्टी ने लगाया बड़ा दांव

रामगोपाल के साथ धनराज नाथवानी ने किया राज्यसभा के लिए नामांकन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने अपने पते खोलते हुए अनुभवी संसदीय नेता प्रो. रामगोपाल यादव के साथ उद्योग और खेल प्रशासन से जुड़े धनराज परिमल नाथवानी को मैदान में उतार दिया है। नाथवानी का नाम सामने आते ही राज्यसभा चुनाव की सियासत में नया मोड़ आ गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में दोनों प्रत्याशियों ने बुधवार को विधानसभा परिसर स्थित निर्वाचन कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। अखिलेश यादव नामांकन के दौरान धनराज नाथवानी के साथ नजर आए। इस मौके पर सपा के वरिष्ठ नेता



और विधायक भी मौजूद रहे। पार्टी ने दोनों नामों की घोषणा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच चक्सर्ज के जरिए की। धनराज नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में ररूप प्रेसिडेंट हैं। उनकी

प्रोफाइल के मुताबिक, वह 2010 से रिलायंस समूह से विभिन्न भूमिकाओं में जुड़े हैं और वित्त, लेखा, खरीद, मानव संसाधन, कॉरपोरेट अफेयर्स तथा सुरक्षा सहित कई गैर-तकनीकी विभागों में जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वह रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के निदेशक भी हैं। नाथवानी खेल प्रशासन में भी सक्रिय हैं। वह गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह जीसीए के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनकी प्रोफाइल के अनुसार, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट में भी उनकी भूमिका रही है। वह गुजरात स्टेट फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा, वे द्वारका देवस्थान समिति के उपाध्यक्ष भी हैं। धनराज नाथवानी के पिता

परिमल नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े रहे हैं और राज्यसभा सदस्य भी हैं। धनराज की शैक्षिक पृष्ठभूमि भी कारोबारी क्षेत्र से जुड़ी है। उन्होंने लंदन के रीजेंडस बिजनेस स्कूल से इंटरनेशनल बिजनेस की पढ़ाई की और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से कॉरपोरेट लॉ एवं पब्लिक रिलेशंस मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के साथ एमबीए किया है। सपा के दूसरे उम्मीदवार रामगोपाल यादव पार्टी के प्रमुख संसदीय चेहरों में शामिल हैं। लंबे समय से राज्यसभा में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले रामगोपाल यादव का नाम सपा के संसदीय मामलों में महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रसे में पार्टी ने एक और अनुभवी संसदीय चेहरे को दोबारा मैदान में उतारा है, वहीं दूसरी ओर उद्योग और खेल प्रशासन से जुड़े नए चेहरे को मौका दिया है।

सुविचार

जो लोग मेहनत करते हैं, वही असंभव को भी संभव बना देते हैं।

पटाखों के इस्तेमाल पर लोगों की धार्मिक भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं : सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली, (एजेंसी)। त्योहारों से पहले पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि देशभर में पटाखों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। न्यायालय ने कहा कि इस विषय में लोगों की धार्मिक भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि किसी को पूरे दिन या 24 घंटे आतिशबाजी करने की अनुमति दी जा सकती है। न्यायालय स्वास्थ्य, पर्यावरण और धार्मिक परंपराओं के बीच संतुलन कायम करने के लिए पटाखों के इस्तेमाल के संबंध में व्यावहारिक व्यवस्था तैयार करने पर विचार कर रहा है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश ने कहा कि किसी भी व्यवस्था को लागू करते समय जनभावनाओं के साथ जनस्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी है। न्यायालय विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर पटाखों से पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित है। न्यायालय की ओर से पटाखे जलाने के लिए निश्चित समय-सीमा तय करने और बाजार में उपलब्ध पटाखों के प्रकार को नियंत्रित करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्र सरकार की ओर से पटाखों में बेरियम की मौजूदगी तथा उनके ध्वनि स्तर से संबंधित वैज्ञानिक जांच की जानकारी दी गई। न्यायालय ने संबंधित पक्षों को इन पहलुओं पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। सर्वोच्च न्यायालय पहले भी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में

पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। वर्ष 2018 में न्यायालय ने कम उत्सर्जन वाले यानी हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी और पटाखों में बेरियम लवण के इस्तेमाल पर रोक स्पष्ट की थी। वर्ष 2025 के आदेशों में भी न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के संबंध में सख्त नियमों के पालन, स्वीकृत विपणन पटाखों की बिक्री और निर्धारित समय में ही आतिशबाजी सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। साथ ही पटाखों के नमूनों की वैज्ञानिक जांच और प्रतिबंधित पटाखों के निर्माण, बिक्री तथा इस्तेमाल पर निगरानी के पालन, स्वीकृत विपणन पटाखों के निर्देश दिए गए थे। सुनवाई के दौरान दिल्ली और उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण का मुद्दा भी सामने आया। पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण का भी उल्लेख किया गया। न्यायालय ने संकेत दिया कि पर्यावरण संरक्षण के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और आतिशबाजी को सीमित समय तक ही अनुमति देने की व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वकालतों ने तर्क दिया कि पूरे देश के लिए एक समान सख्त व्यवस्था बनाना उचित नहीं होगा। उनका कहना था कि दिल्ली-एनसीआर की मौसम संबंधी परिस्थितियां देश के अन्य हिस्सों से अलग हैं। इसलिए अलग-अलग राज्यों की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक लचीलापन होना चाहिए।

बाढ़ राहत व बचाव में बजट और संसाधनों की कमी नहीं होगी : जायसवाल

कटिहार। बिहार सरकार के राज्य एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बुधवार को समाहरणायक सभागार में कटिहार जिले के सात बाढ़ प्रभावित अंचलों की वर्तमान स्थिति और संभावित राहत-बचाव कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में प्रगरी मंत्री ने सख्त लहजे में कह कि बाढ़ पीड़ितों की सुरक्षा और उन तक समय पर हर जरूरी सहायता पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हड़ि पर आतार सांड से टकराई रैंज रोवर, दो लोगों की दर्दनाक मौत

अहमदाबाद। गुजरात के बनावसादा जिले में भारतमाला हड़ि पर एक दल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां सड़क पर आघातक आए एक आतार सांड से टकराने के बाद बेकाबू हुई तेज रफतार रेंज रोवर डिकवरी कार डिवानडर में जा सूसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि सबसे सुखित मानी जाने वाली करोड़ों रुपये की लकजरी एसयूवी पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसके पुजे सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गए।

पार्टी नेताओं की शांतिपूर्ण बैठक में बाधा डालने की कार्रवाई की गई : सीजेपी

कॉंग्रेसव जनता पार्टी ने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को चुनौती दी

गुवाहाटी। असम में निर्धारित बैठक से पहले कॉंग्रेसव जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक आशुतोष रांका और उनके 40 से अधिक कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के मामले ने राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। रिहाई के बाद रांका ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को चुनौती देते हुए कहा कि असम के कॉंग्रेसव अभी शुरू हो रहे हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ राजिभोज की तस्वीर भी सामाजिक माध्यम पर साझा की। इससे पहले रांका ने कहा था कि



असम पुलिस की कथित गैर-कानूनी हिरासत आखिरकार समाप्त हो गई है। उपलब्ध रिपोर्टों के

अनुसार, रांका और अन्य कार्यकर्ताओं को बाद में रिहा कर दिया गया। रांका और सीजेपी के 40 से अधिक स्वयंसेवक गुवाहाटी में एक निर्धारित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। पार्टी के अनुसार, यह संगठन की पहली क्षेत्रीय स्वयंसेवक बैठक थी। बैठक शुरू होने से पहले पुलिस ने रांका समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें गुवाहाटी के कहलीपारा स्थित 10वीं असम पुलिस बटालियन परिसर ले जाया गया। विभिन्न रिपोर्टों में हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं की संख्या 30 से अधिक और पार्टी के कुछ बयानों में 40 से अधिक बताई गई है। सीजेपी का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिए

जाने का स्पष्ट कारण नहीं बताया। पार्टी नेताओं ने इसे शांतिपूर्ण बैठक में बाधा डालने की कार्रवाई बताया। हालांकि, पुलिस की ओर से इस कार्रवाई का विस्तृत आधिकारिक कारण इन रिपोर्टों में स्पष्ट नहीं किया गया है। रिहाई के बाद पत्रकारों से बातचीत में रांका ने दावा किया कि जब उन्होंने पुलिस से हिरासत का आधार पूछा तो अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें ऊपर से आदेश मिले हैं। रांका ने इसे गैर-कानूनी हिरासत बताया। इससे पहले उन्होंने सामाजिक माध्यम पर भी हिरासत खत्म होने की जानकारी दी थी और कहा था कि पुलिस उन्हें उसी स्थान पर वापस छोड़े, जहां से उन्हें हिरासत में लिया गया था। रांका के मुताबिक,

निर्धारित बैठक में असम के सरकारी स्कूलों की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था में सुधार, काजीरंगा में स्थानीय लोगों के अधिकारों तथा चुनाव से जुड़े कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी थी। सीजेपी नेताओं ने इससे पहले भी असम में स्कूलों, बाढ़, भूमि और काजीरंगा से जुड़े मुद्दों को उठाने की बात कही थी। रांका ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार सीजेपी के अभियान से चिंतित है। उन्होंने कहा कि सरमा को डर है कि यदि असम के स्कूलों और अन्य मुद्दों की वास्तविक स्थिति सामने लाई गई तो देशभर के लोगों को इसकी जानकारी हो जाएगी।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटने से जनता को मंहगाई से मिलेगी राहत

बीटी कपास की सफलता का दिया उदाहरण, जीएम सरसों पर समयबद्ध निर्णय की मांग

नई दिल्ली। खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार की ओर से आयात शुल्क में कटौती के फैसले का नेशनल फार्मर्स एम्पावरमेंट इनिशिएटिव (एनईएफआई) ने स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि शुल्क में कमी से उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिल सकती है, लेकिन खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए किसानों को आधुनिक कृषि एवं बीज तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी है। संगठन ने जीएम फसलों के मुद्दे पर भी समयबद्ध और विज्ञान आधारित निर्णय लेने की मांग की है। सरकार ने 24 सितंबर को कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य तथा कच्चे सोयाबीन और पाम ऑयल पर इसे 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। एनईएफआई ने कहा कि पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में देश ने 160.72 लाख टन



खाद्य तेल का आयात किया, जिससे देश की करीब दो-तिहाई जरूरत आयात के जरिए पूरी हुई। इस पर लगभग 1.61 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए, जो केंद्रीय कृषि बजट से भी अधिक है। एनईएफआई के राष्ट्रीय संयोजक किशोर जायसवाल ने कहा कि आयात शुल्क में कटौती से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, लेकिन यह समस्या के कारण का समाधान नहीं है। जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं, उसका असर देश के परिवारों के बजट के साथ-साथ हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर भी पड़ता है।

इसका स्थायी समाधान हमारे खेतों में है और इसके लिए किसानों को उपलब्ध सर्वोत्तम बीज तकनीक का विकल्प मिलना चाहिए। एनईएफआई ने कृषि क्षेत्र में तकनीक के प्रभाव का उदाहरण देते हुए बीटी कपास की सफलता का उल्लेख किया। संगठन के अनुसार, वर्ष 2002 में बीटी कपास को मंजूरी मिलने से पहले देश में कपास का उत्पादन लंबे समय तक 1.5-1.7 करोड़ गांठ के आसपास उठरा हुआ था और उत्पादकता 300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम थी। वर्ष 2013-14 तक

कपास का उत्पादन करीब 4 करोड़ गांठ पहुंच गया। उत्पादकता में भी लगभग दोगुनी वृद्धि हुई और भारत दुनिया का सबसे बड़ा कपास उत्पादक तथा प्रमुख निर्यातक देशों में शामिल हुआ। महाराष्ट्र के अकोला के प्रगतिशील किसान गणेश नानोटे (लंबे समय से जीएम कपास की खेती कर रहे हैं) ने कहा, बीटी कपास आने से पहले हर साल गुलाबी सुंड़ी और अन्य कीट हमारी फसल को नुकसान पहुंचाते थे और कीटनाशकों पर काफी खर्च होता था। इस तकनीक ने खेती का तरीका बदल दिया। उपज बढ़ी, छिड़काव कम हुआ और किसान परिवारों को बच्चों की शिक्षा तथा खेत में निवेश करने का अवसर मिला। किसान विज्ञान से नहीं डरते। हम सिर्फ विकल्प चाहते हैं। एनईएफआई ने जीएम सरसों के डीएमएच-11 हाईब्रिड का भी उल्लेख किया, जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय में सार्वजनिक धन से विकसित किया गया है। संगठन के अनुसार, परीक्षणों में डीएमएच 11 ने राष्ट्रीय मानक किस्म की तुलना में करीब 28 प्रतिशत अधिक उपज दर्ज की थी।

रायपुर और बिलासपुर समेत 24 राज्यों के 50 शहर बनेंगे स्वच्छता के आदर्श शहर

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने प्रगति-50 पहल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर समेत देश के 24 राज्यों के 50 शहरों को स्वच्छता के आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत प्रगति-50 पहल का शुभारंभ किया। इस पहल के तहत चयनित शहरों में प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर आधारित कार्ययोजना तैयार कर तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से स्वच्छता के उच्च मानक स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री द्वारा 51वीं प्रगति बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में इन 50 शहरों का चयन किया गया है। पहल का उद्देश्य शहरी स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्रयुक्त जल प्रबंधन, स्वच्छता सुविधाओं और नागरिक भागीदारी में स्पष्ट तथा निरंतर सुधार लाना है। इसके लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर संरचित निगरानी और समीक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 24 राज्यों के ये 50 शहर देश के अन्य शहरों के लिए स्वच्छता के आदर्श बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि इन शहरों को नियमित स्वच्छता कार्यों से आगे बढ़कर दृश्य स्वच्छता के सतत और उच्च प्रदर्शन मानकों को प्रदर्शित करना होगा। पहल में प्रमुख शहरों,



सांस्कृतिक महत्व वाले शहरों, प्रमुख पर्यटन स्थलों और आर्थिक केंद्रों को शामिल किया गया है। प्रगति की निरंतर समीक्षा परिणाम आधारित आकलन और तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने बताया कि वह स्वयं प्रत्येक दो माह में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर इन शहरों की प्रगति की निगरानी करेंगे। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि पिछले एक दशक में स्वच्छता जन आंदोलन से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बन गई है। नई आदर्श शहर पहल निर्धारित समय-सीमा में शहरों को कचरा-मुक्त शहर के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाने में मदद करेगी और उन्हें अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श बनाने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों से सूक्ष्म स्तर की कार्ययोजनाएँ तैयार कर उनका त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

अमेरिकी वीजा के लिए भारतीयों की बढ़ी मुश्किलें, 346 दिन तक इंतजार

वीजा प्रक्रिया में लंबा इंतजार और बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा

नई दिल्ली। अमेरिका जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को इन दिनों वीजा प्रक्रिया में लंबा इंतजार और बढ़ती लागत, दोनों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सरकारी जवाबदेही कार्यालय (जीएओ) की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भारतीय आवेदकों को गैर-आप्रवासी वीजा के साक्षात्कार के लिए औसतन 346 दिन तक इंतजार करना पड़ा। कोरोना महामारी से पहले यह औसत प्रतीक्षा अवधि महज 42 दिन थी। इस तरह मौजूदा इंतजार पहले की तुलना में करीब आठ गुना बढ़ गया है। जीएओ की रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2019 से 2025 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वीजा की मांग में लगातार बढ़ोतरी के मुकाबले आवेदनों को संसाधित करने



की अमेरिकी दूतावासों की क्षमता पर्याप्त नहीं रही। इसका असर विशेष रूप से भारत जैसे अधिक आवेदन वाले देशों में दिखाई दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 में भारत से करीब 14.5 लाख गैर-आप्रवासी वीजा आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की संभालने के लिए भारत में केवल 68 वाणिज्य दूतावास अधिकारी तैनात थे। इस हिसाब से प्रत्येक अधिकारी पर औसतन करीब 21,400 आवेदन का भार पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में गैर-आप्रवासी वीजा से

जुड़े काम के लिए तैनात अमेरिकी अधिकारियों की संख्या वित्तीय वर्ष 2024 में 1,342 थी। भर्ती पर रोक और अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने के कारण यह संख्या वित्तीय वर्ष 2025 में घटकर 904 रह गई। अधिकारियों की संख्या में कमी और आवेदनों की बढ़ी संख्या के बीच बढ़ता अंतर वीजा साक्षात्कार में देरी का एक प्रमुख कारण बताया जा रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के 17 सितंबर को अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, पर्यटन और व्यापार के लिए इस्तेमाल होने वाले बी-1/बी-2 वीजा के आवेदकों को भारत के विभिन्न शहरों में लंबी प्रतीक्षा अवधि का सामना करना पड़ रहा है। हैदराबाद में आवेदकों को करीब 12 महीने, मुंबई में लगभग साढ़े 11 महीने, दिल्ली में करीब 10 महीने, चेन्नई में साढ़े सात महीने और कोलकाता में करीब साढ़े छह महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

डिलीवरी ब्वाँय को 5 स्टार होटल ले गया कंटेंट क्रिएटर,गार्ड ने रोका तो दिया जवाब



आलीशान इंटीरियर देखकर हैरान हुआ डिलीवरी पार्टनर, साझा किया ज़िंदगी का दर्द

नई दिल्ली। सोशल मीडिया की भागदौड़ भरी दुनिया में कभी-कभी ऐसा दिल छू लेने वाला वीडियो सामने आता है जो इंसायनियत और अपनेपन की मिसाल पेश कर जाता है। ऐसा ही एक बेहद भावुक कर देने वाला वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मशहूर कंटेंट क्रिएटर जैद मेहदी ने सड़क पर खड़े एक डिलीवरी पार्टनर को पास के एक आलीशान फाइव स्टार होटल में ले जाकर मिलकशेक की ट्रीट दी। हर रोज दूसरों की पसंदीदा चीजें उनके दरवाजों तक पहुंचाने वाले एक डिलीवरी वर्कर के लिए यह अनुभव

मान-सम्मान दिलाते देख सिक्वोरिटी गार्ड ने भी मुस्कुराकर दोनों को अंदर जाने दिया। होटल के अंदर दाखिल होते ही डिलीवरी पार्टनर वहां की जगमगाती रोशनी, शानदार सजावट और भव्य माहौल को देखकर दंग रह गए। टेबल पर बैठकर जब दोनों ने मिलकशेक ऑर्डर किया, तो बातचीत के दौरान ज़िंदगी का एक दर्दनाक पहलू सामने आया। डिलीवरी पार्टनर ने बताया कि कुछ समय पहले वे एक भयानक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे, जब एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। लंबे समय तक बिस्तर पर ज़िंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद वे ठीक हुए और परिवार चलाने के लिए दोबारा धूप-धूल में डिलीवरी का काम शुरू किया। उनकी आपबीती सुनकर जैद भी भावुक नजर आए। जब टेबल पर टंडा मिलकशेक आया, तो डिलीवरी पार्टनर की आंखों में एक अलग ही सुकुन और चेहरे पर खिलखिलाती मुस्कान बिखर गई। वीडियो के आखिर में जैद ने जब मुस्कुराते हुए पूछा, 'अंकल, आज खूब मजा आया ना?' तो उन्होंने फिर हिलाते हुए पूरे दिल से 'हां' कहा।

आईएनडीआईए एलायंस की बैठक हारे हुए नेताओं का मिलन समारोह

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय संकुल प्रकोष्ठ के सह-संयोजक ऋग्राज सिन्हा ने बुधवार को इंडी गठबंधन की बैठक को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने बैठक को जनता द्वारा नकारे गए और चुनाव में हारे नेताओं का मिलन समारोह करार दिया तथा विपक्षी गठबंधन को बिना स्पष्ट नीति और विजन वाला कुनबा बताया। ऋग्राज सिन्हा ने बयान जारी कर कहा कि बैठक का देश या लोकनीति से कोई सरोकार नहीं है। उनके अनुसार, यह कांग्रेस और राहुल गांधी के नेतृत्व को राजनीतिक सहारा देने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आने पर विपक्षी दल जनता के बीच जाने के बजाय अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए मुद्दे तलाशते हैं। ऋग्राज सिन्हा ने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और ईवीएम को लेकर पहले से ही सवाल उठाने की तैयारी करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए ऋग्राज ने कहा कि वे इस गठबंधन के जरिए अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं।



BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW



24/7 SERVICE

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल, राज़ रीबूट से शुरू हुआ था हिंदी सिनेमा का सफर

दस साल पहले कृति खरबंदा ने राज़ रीबूट के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इस फ़िल्म से शुरू हुआ उनका सफर पिछले एक दशक में अलग-अलग फ़िल्मों, किरदारों और जॉनर से होकर गुजरा है। हिंदी फ़िल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा।

राइज एंड फॉल सीजन 2 की स्ट्रीमिंग तारीख आई, 4 प्रतियोगियों पर लगी मुहर, 26 सितंबर से शुरू होगा शो



अमेजन प्राइम वीडियो का चर्चित वास्तविकता आधारित कार्यक्रम 'राइज एंड फॉल' दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रहा है। पहले सीजन की मेजबानी अशनीर ग्रोवर ने की थी, जबकि दूसरे सीजन में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग मेजबान की भूमिका निभाते नजर आएंगे। 42 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कुल 15 प्रतियोगी हिस्सा लेंगे, जिनमें से चार नामों की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है।बनिजय एशिया के निर्माण में तैयार किए जा रहे इस कार्यक्रम का प्रीमियर 26 सितंबर 2026 से होगा। कार्यक्रम के नए एपिसोड प्रतिदिन प्रसारित किए जाएंगे। दर्शक इसे प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर के एंड्रॉयड अनुप्रयोग पर निशुल्क देख सकेंगे।दूसरे सीजन में शामिल होने वाले जिन चार प्रतियोगियों के नाम सामने आए हैं, उनमें स्वरा भास्कर, प्रियंका चाहर चौधरी, शहजाद पूनावाला और करण पटेल शामिल हैं। हालाँकि, बाकी 11 प्रतियोगियों के नामों की घोषणा अभी नहीं की गई है।'राइज एंड फॉल' मूल रूप से ब्रिटेन के स्टूडियो लैम्बर्ट द्वारा तैयार किया गया प्रारूप है। कार्यक्रम की अवधारणा 'सबसे मजबूत का अस्तित्व' और सामाजिक पदानुक्रम पर आधारित है। इसमें 15 प्रतियोगियों को एक विशाल टावर में रखा जाता है, जहां उन्हें दो बिल्कुल अलग वर्गों में बांटा जाता है।कार्यक्रम की कहानी मुख्य रूप से अमीर और गरीब तथा शक्तिशाली और शक्तिहीन वर्गों के बीच होने वाले संघर्ष पर केंद्रित रहती है। प्रतियोगियों को अलग-अलग परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी स्थिति मजबूत करने और प्रतियोगिता में आगे बढ़ने के लिए रणनीति बनानी होती है।कार्यक्रम के पहले सीजन का खिताब अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने अपने नाम किया था। अब दूसरे सीजन में वीरेंद्र सहवाग की मेजबानी और 15 प्रतियोगियों के बीच होने वाला मुकाबला दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहने की उम्मीद है।

स्क्रीन से दूर रहकर अपनाएं ये 5 आरामदायक गतिविधियां, स्वास्थ्य के लिए हैं लाभदायक



आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में आराम करना बहुत जरूरी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्क्रीन से दूर रहकर भी आप आराम कर सकते हैं? हां, बिल्कुल! स्क्रीन से दूर रहकर आप अपनी मानसिक शांति को बढ़ा सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप स्क्रीन से दूर रहकर आराम कर सकते हैं और अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव ला सकते हैं।

किताबें पढ़ें

किताबें पढ़ना एक शानदार तरीका है, जिससे आप स्क्रीन से दूर रहकर आराम कर सकते हैं। किताबें न केवल आपके ज्ञान को बढ़ाती हैं, बल्कि आपको मानसिक शांति भी देती हैं। जब आप किसी अच्छी किताब में खो जाते हैं तो आपका सारा तनाव दूर हो जाता है।इसके अलावा किताबें पढ़ने से आपकी कल्पना शक्ति भी बढ़ती है और आप नई-नई दुनिया का अनुभव कर सकते हैं। इसलिए किताबें पढ़ने की आदत डालें



राज़ रीबूट के बाद कृति ने शादी में ज़रूर आना, वीरे दी वेंडिंग, हाउसफुल 4, पागलपती और तैश जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, तैश जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की

कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गईं।

कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कर्मर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए।

बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। राणा नायडू 2 के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

राज़ रीबूट के 10 साल बाद कृति खरबंदा का सफर सिर्फ एक फिल्म से दूसरी फिल्म तक पहुंचने की कहानी नहीं है, बल्कि अलग-अलग किरदारों और अनुभवों के साथ आगे बढ़ने की कहानी भी है।

सुपरहैचुरल थ्रिलर से शुरुआत करने वाली कृति ने इन वर्षों में रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। राज़ रीबूट उनके हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत का अहम पड़ाव बना हुआ है और एक दशक बाद उनका सफर लगातार नए किरदारों और नई कहानियों की ओर बढ़ रहा है।

लव रंजन की फिल्म पहला प्यार दूसरी बार का ऐलान, दांव पर लगे 6 नए चेहरे

प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्में देने के बाद, निर्देशन लव रंजन एक नई रोम-कॉम लेकर आ रहे हैं, जिसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। फिल्म का नाम पहला प्यार दूसरी बार रखा गया है, जो दोस्ती और कॉमेडी पर आधारित होगी। इसके जरिए निर्देशक ने एक साथ 6 नए चेहरों को बॉलीवुड में उतारा है। फिल्म का पहला लुक पोस्टर भी सोशल मीडिया पर जारी हो गया है, जिससे लोग काफी उत्साहित हैं।लव फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर पहला प्यार दूसरी बार का आधिकारिक पोस्टर जारी किया है। इसके जरिए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुमाल वैद्य, सरानु कौर लुथरा और तुषार छिब्बर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।कैप्शन में लिखा गया है, पुराने क़श, पापी दोस्त और पहला प्यार। लाल झंडे ही लाल झंडे।पोस्टर में सभी 6 कलाकारों की मस्ती भरे पोज के साथ दर्शाया गया है, जो फिल्म में दोस्ती, प्यार और रोमांच देने का वादा करते हैं।

‘हनुमान अंश’ ने पार किया 300 करोड़ का आंकड़ा, ‘मिर्जापुर: द मूवी’ 200 करोड़ के करीब, ‘हैवान’ की रफ्तार बेहद धीमी

विशाल चतुर्वेदी की फिल्म ‘हनुमान अंश’ बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। कारोबारी दिनों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। फिल्म ने आखिरकार दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं, अली फजल की ‘मिर्जापुर: द मूवी’ 200 करोड़ रुपये के घरेलू नेट कारोबार के करीब पहुंच गई है, जबकि अक्षय कुमार और सैफ अली खान की ‘हैवान’ की कमाई बेहद धीमी पड़ गई है।

सैकनिल्क के अनुसार, ‘हनुमान अंश’ ने रिलीज के 41वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे एक दिन पहले यानी 40वें दिन फिल्म ने 8.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके साथ ही फिल्म का घरेलू शुद्ध कारोबार बढ़कर 237.13 करोड़ रुपये हो गया है।

विदेशी बाजार में भी फिल्म का प्रदर्शन जारी है। 41वें दिन ‘हनुमान अंश’ ने विदेशों में 1.75 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल विदेशी कमाई 20.25 करोड़ रुपये हो गई है। घरेलू और विदेशी कारोबार मिलाकर फिल्म का वैश्विक कुल संग्रह 300.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है।



क्या आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा? इन संकेतों से लगाएं पता



नमक का सेवन शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हालांकि, कई लोग स्वास्थ्य पर इसके असर के कारण इसका सेवन कम कर देते हैं या फिर छोड़ देते हैं। ऐसा करने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पाता और इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शरीर को कम नमक मिल रहा है।

पसीना कम आना

अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है तो पसीना कम आने लगता है। नमक का सेवन शरीर में सोडियम का स्तर बनाए रखता है, जो पसीना आने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म, ओटीटी अभिनेता अंबरीश वर्मा संग बनेगी जोड़ी



रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर से सारा अर्जुन ने रातों-रात सफलता का स्वाद चखा है। उनकी लोकप्रियता में इस कदर बढ़ोतरी हुई है कि फैंस उनकी अगली परियोजना पर गहराई से नज़रें गड़ाए बैठे हैं। ताज़ा अपडेट है कि सारा को कथित तौर पर उनकी अगली फिल्म मिल चुकी है, जिसका निर्देशन टाइगर 3 वाले मनीष शर्मा करेंगे। यह भी बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने अपनी मौजूदा टैलेंट एजेंसी से अलग होकर वाईआरएफ टैलेंट को जॉइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सारा का वाईआरएफ टैलेंट में शामिल होना ऐसे समय में हुआ है, जब वह निदेशक मनीष की अगली फिल्म में अभिनेता अंबरीश वर्मा के साथ नजर आएंगी।यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट शाखा, वाईआरएफ टैलेंट पहले ही शरवरी, अहान पांडे और अनीत पट्टा जैसे नए सितारों को मैनेज कर रही है। अब इसका हिस्सा सारा भी होंगी।अंबरीश की बात करें, तो उन्हें अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज सपने वसेंस एवरीवन से लोकप्रियता मिल चुकी है।अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई, तो पहली बार सारा और अंबरीश को जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी। दोनों ही कलाकार बिल्कुल अलग-अलग परियोजनाओं में काम कर चुके हैं।फिलहाल, आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर में सारा ने यालीना जमाली का किरदार निभाकर दर्शकों को खूब प्रभावित किया है। रणवीर से उम्र में 20 साल छोटी होने के बावजूद दोनों की जोड़ी लोगों को पसंद आई। सारा तमिल और मलयालम सिनेमा का हिस्सा भी रही हैं।

कुछ दिन पहले तक ‘हनुमान अंश’ और ‘मिर्जापुर: द मूवी’ के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही थी। हालांकि, अब अली फजल की फिल्म पीछे चल रही है। ‘मिर्जापुर: द मूवी’ ने रिलीज के 13वें दिन 3.75 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ फिल्म का घरेलू शुद्ध कारोबार 199.45 करोड़ रुपये हो गया है।वैश्विक स्तर पर ‘मिर्जापुर: द मूवी’ अब तक 286.64 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फिल्म के घरेलू कारोबार के 200 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचने पर अब सबकी नज़रें टिकी हैं।दूसरी ओर, अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म ‘हैवान’ बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। फिल्म ने रिलीज के छठे दिन महज 55 लाख रुपये कमाए। इसके साथ ही इसका कुल कारोबार 9.30 करोड़ रुपये हो गया है।बॉक्स ऑफिस के इन आंकड़ों के मुताबिक, ‘हनुमान अंश’ जहां लगातार मजबूत पकड़ बनाए हुए है, वहीं ‘मिर्जापुर: द मूवी’ 200 करोड़ रुपये के घरेलू आंकड़े के करीब पहुंच गई है। इसके मुकाबले ‘हैवान’ की कमाई फिलहाल काफी धीमी बनी हुई है।

अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो पसीना बनना बंद हो जाता है। इसके अलावा नमक की कमी से शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है, जिसके कारण पसीना कम आता है।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है।नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है।

अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं होती हैं।

सिरदर्द होना

अगर आपके सिर में लगातार दर्द हो रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है।जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो रक्तचाप के स्तर में बदलाव होने लगता है। रक्तचाप में बदलाव से सिरदर्द होने की संभावना बढ़ जाती है।साथ ही इससे सिरदर्द के साथ-साथ चक्कर आना और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है।

मांसपेशियों में खिंचाव

अगर आपको अक्सर मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है।नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है। अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है।

चक्कर आना

चक्कर आना भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है। नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड रक्त वाहिकाओं को खुला रखता है।इससे शरीर में रक्त संचार सही रहता है, लेकिन जब सोडियम और क्लोराइड की कमी हो जाती है तो रक्त वाहिकाएं खुली नहीं रह पातीं, जिससे शरीर में रक्त संचार सही से नहीं हो पाता और चक्कर आने लगते हैं।



अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नाम होगा सुपर इंटेलिजेंस, ट्रंप ने किए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुपर इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाएगा। यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नाम बदलने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रपति ने टेक इंडस्ट्री के दिग्गजों के साथ दोपहर के भोज पर हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद कार्यकारी आदेश जारी किया। बैठक में स्पेसएक्स और टेस्ला के एलन मस्क, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, गूगल के सुंदर पिचाई और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग समेत कई प्रमुख सीईओ मौजूद रहे। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि यह बदलाव कानूनी अधिकतम अनुमति के



अनुसार लागू होगा। मौजूदा नियमों, अनुबंधों और पुराने दस्तावेज में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इस प्रौद्योगिकी के नीति निर्धारकों को संघीय सरकार की प्रयुक्त शब्दावली को अपनाकर

परिवर्तनकारी क्षमता और अमेरिकी जनता के लिए असीमित अवसरों का पिढारा खोलना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन अब एआई के स्थान पर एसआई शब्द का प्रयोग करेगा। किसी भी

प्रासंगिक संदर्भ में एआई के उपयोग को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने अमेरिकी लोगों के लिए इससे मिलने वाले असीमित लाभ को पहचानना है। उल्लेखनीय है कि यह कार्यकारी आदेश विज्ञान और तकनीक के लिए राष्ट्रपति के सहायक (एपीएसटी) को सुपर इंटेलिजेंस की संघीय परिभाषा का प्रस्ताव देने का निर्देश देता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जन्मभूमि है। अमेरिका इस नई तकनीक को आगे बढ़ा रहा है। अनुसंधान के क्षेत्र के तौर पर इसकी शुरुआत के बाद से १0 से ज्यादा सालों से इसके विकास और इस्तेमाल में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। सुपर इंटेलिजेंस नाम आज विकसित की जा रही टेक्नोलॉजी की असली क्षमताओं को बताता है। यह इंसानी क्रिएटिविटी के

नए रूपों को सामने लाता है और अमेरिकियों को वह हासिल करने के लिए सशक्त बनाता है जो पहले असंभव था। इसी के साथ राष्ट्रपति ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन की जरूरत से ज्यादा दखल देने वाली और नुकसानदेह एसआई नीति को खत्म कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में संघीय सरकार ने जेनेसिस मिशन के लिए पांच अरब डॉलर से अधिक राशि की घोषणा की है। यह विज्ञान, चिकित्सा, ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी को तेजी से हासिल करने के लिए सुपर इंटेलिजेंस की क्षमता को इस्तेमाल करने की एक राष्ट्रीय पहल है। जुलाई 2025 में व्हाइट हाउस ने अमेरिका का १०एआई एक्शन प्लान जारी किया था। इसमें एसआई इनोवेशन को तेज करने का संकल्प लिया गया था।

भारतीय मूल के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का नाम अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की टॉप 10 मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में,

10 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने भारतीय मूल के कुख्यात अपराधी (गैंगस्टर) सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर शिकंजा कसा है। एफबीआई ने गोल्डी को अपनी दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों (टॉप 10 मोस्ट वॉंटेड भगोड़ों) की सूची में शामिल करते हुए 10 करोड़ रुपये (10 लाख डॉलर) का इनाम घोषित किया है। एफबीआई ने अपनी वेबसाइट के अलावा एक्स हॅंडल पर सोमवार को यह जानकारी साझा की। इसमें कहा गया कि उसकी गिरफ्तारी या सुराग देने वाले को इनाम की यह राशि प्रदान की जाएगी। एफबीआई के अनुसार, गोल्डी बराड़ उत्तरी अमेरिका के संगठित अपराधी समूह के सरगना लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर अपराधों को अंजाम देता है। अमेरिकी जांच एजेंसी के अनुसार, यह गिरोह दक्षिणी कैलिफोर्निया के साथ-साथ पूरे अमेरिका और कनाडा में टारगेटेड किलिंग, राजनीतिक व धार्मिक हस्तियों पर हमलों, गोलीबारी, अहहरण, रंगदारी और मादक पदार्थों तथा हथियारों की तस्करी जैसे कई गंभीर अपराधों में शामिल है। कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट संघीय अदालत ने पहली जुलाई को सतिंदरजीत सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला गोल्डी बराड़ प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है। इस हत्याकांड की वह जिम्मेदारी ले चुका है। गोल्डी पर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निन्जर की हत्या कराने का भी आरोप है। कहा जाता है कि पुलिसकर्मी का बेटा गोल्डी बराड़ अपने चचेरे भाई गुरलाल बराड़ की हत्या का बदला लेने के लिए अपराध की दुनिया में उतरा। इसके बाद उसने गुरलाल की हत्या के आरोपित पहलवान की हत्या करवाई और फिर लॉरेंस बिश्नोई तथा जग्मू भगवानपुरिया के संपर्क में आया। भारत का गृह मंत्रालय उसे आतंकी घोषित कर चुक है।



रियाद में सउदी अरब के रक्षामंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर से मुलाकात की।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासियों को तीसरे देशों में वापस भेजने की प्रक्रिया फिर शुरू करने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी अधिकारियों को प्रवासियों को तीसरे देशों में वापस भेजने (डिपॉटेशन) की प्रक्रिया फिर शुरू करने की अस्थायी मंजूरी दे दी है। रिया नोवोस्ती के अनुसार, पिछले हफ्ते अमेरिकी अदालतों ने जबरल टॉड ब्लैंच ने कहा था कि मैसाचुसेट्स के एक फेडरल जज द्वारा अधिकारियों को अवैध प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अन्य देशों में भेजने से अस्थायी रूप से रोकें जाने के बाद, न्याय विभाग सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा। फ़ैसले में कहा गया, जस्टिस जैक्सन के सामने पेश की गई और उनके द्वारा कोर्ट को भेजी गई स्टे (रोक) की अजी मंजूर् की जाती है।

मैसाचुसेट्स जलिल के लिए यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के 25 फरवरी, 2026 के आदेश और फ़ैसले पर रोक लगाई जाती है। इस तरह, कोर्ट ने मैसाचुसेट्स फेडरल कोर्ट के फ़ैसले से पहले लगाई गई पाबंदियों को अस्थायी रूप से हटा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी घोषणा की कि वह दिसंबर में ट्रंप प्रशासन की उस नीति की वैधता पर बहस का सत्र आयोजित करेगा, जिसमें प्रवासियों को तीसरे देशों में तेज़ी से वापस भेजने का प्रावधान है। साथ ही, दस्तावेज़ से पता चलता है कि तीन लिबरल जस्टिस – सोनिया सोटोमायोर, एलेना कगन और केतांजी जैक्सन – ने कोर्ट के फ़ैसले का विरोध किया।

अमेरिका और ईरान के बीच औपचारिक बातचीत नहीं, अनौपचारिक संपर्क जारी : ग़ोसी

संयुक्त राष्ट्र। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईएए) के महानिदेशक राफेल ग़ोसी ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिहाल कोई औपचारिक बातचीत नहीं हो रही है, हालाँकि दोनों पक्षों के बीच अनौपचारिक संपर्क जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन संपर्कों से दोनों देशों के बीच वार्ता दोबारा शुरू करने का रास्ता बन सकता है। ग़ोसी ने रिया नोवोस्ती को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं चल रही है। हालाँकि, दोनों पक्षों के बीच कुछ स्तर पर संपर्क हो रहा है, जिसमें इस सप्ताह न्यूयॉर्क में हुई बातचीत भी शामिल है। ग़ोसी ने रिया नोवोस्ती को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं चल रही है। हालाँकि, दोनों पक्षों के बीच कुछ स्तर पर संपर्क हो रहा है, जिसमें इस सप्ताह न्यूयॉर्क में हुई बातचीत भी शामिल है। ग़ोसी ने बातचीत की संभावित बहाली को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा कि अनौपचारिक संपर्क आगे की कूटनीतिक प्रक्रिया का आधार बन सकते हैं।

बारिश और बाढ़ से नेपाल-चीन जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप, त्योहारों से पहले सप्लाई चेन प्रभावित



काठमांडू। नेपाल में लगातार तीन दिनों की बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण नेपाल और चीन के बीच व्यापार के तीनों प्रमुख उत्तरी सीमा नाकों पर आवागमन बाधित होने से नेपाल का चीन के साथ जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है। त्योहार में अब करीब दो सप्ताह ही बाकी हैं, ऐसे में सीमा नाकों के बंद होने से बाजार में सामान की आपूर्ति प्रभावित हुई है। नेपाल-चीन के बीच तातोपानी-खासा, रसुवागढ़ी और कोराला सीमा नाके बंद हैं। सीमा नाकों तक पहुंचने वाली सड़कों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने के कारण इन मार्गों से बड़े पैमाने पर माल ढुलाई संभव नहीं हो पा रही है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में ही नेपाल ने चीन से 76.40 अरब नेपाली रुपये से अधिक का

सामान आयात किया था। ऐसे में तीनों प्रमुख व्यापारिक मार्गों के बाधित होने से बड़े पैमाने पर व्यापार प्रभावित हुआ है। पहले तातोपानी और रसुवागढ़ी बंद हुए भूस्खलन के खतरे को देखते हुए चीन ने पहले ही तातोपानी-खासा नाका बंद कर दिया था। इसके रूप बाद 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से रसुवागढ़ी नाका भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दो प्रमुख नाकों के बंद होने के बाद मुस्तांग का कोराला नाका नेपाल-चीन व्यापार के वैकल्पिक मार्ग के रूप में सामने आया था। लेकिन अब कालीगंडकी नदी में आई बाढ़ ने कोराला तक पहुंचने वाला सड़क मार्ग भी काट दिया है। बाढ़ के पानी ने कालीगंडकी काँछिडोर और मध्यपहाडी राजमार्ग पर कई महत्वपूर्ण पुलों के पहुंच मार्ग बहा दिए हैं। कोराला सीमा नाका और सीमा शुल्क कार्यालय

सुरक्षित हैं, लेकिन बेनी-जॉमसोम सड़क पर पुलों को हुए नुकसान के कारण मालवाहक वाहनों की आवाजाही रुक गई है। 15 दिन में 434 कंटेनर और 641 इलेक्ट्रिक वाहन पहुंचे तातोपानी और रसुवागढ़ी बंद होने के बाद कोराला नाके पर व्यापार का दबाव काफी बढ़ गया था। 10 से 25 सितंबर के बीच सिर्फ 15 दिनों में 434 कंटेनर और 641 इलेक्ट्रिक वाहन कोराला के रास्ते नेपाल में दाखिल हुए। भाद्र के अंतिम सप्ताह तक मुस्तांग सीमा शुल्क कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष में 2.31 अरब नेपाली रुपये से अधिक राजस्व एकत्र कर लिया था। पिछले वित्त वर्ष में कोराला नाके के जरिए 14.41 अरब नेपाली रुपये के सामान और 3,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन नेपाल आए थे। अब सड़क संपर्क टूटने से अरबों रुपये का व्यापार अटक गया है। त्योहार के सामान की आपूर्ति प्रभावित सीमा नाकों के बंद होने से चीन से आने वाले कपड़े, जूते-चप्पल, बैग, इलेक्ट्रॉनिक सामान और इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति रुक गई है। इससे व्यापारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं की चिंता भी बढ़ गई है। आरबी कॉम्प्लेक्स बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष परशुराम दाहाल ने बताया कि त्यौहार को ध्यान में रखकर मंगाए गए सामान में से अभी तक केवल 20 से 30 प्रतिशत माल ही काठमांडू पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि त्योहार के लिए मंगाया गया सामान रास्तों में फंसा हुआ है। गोदामों में रखे सामान को कोराला नाके के जरिए लाने की कोशिश की गई थी, लेकिन अब वह रास्ता भी बंद हो गया है। दाहाल के अनुसार, समस्या केवल सीमा शुल्क प्रक्रिया की नहीं है।

अमेरिकी जासूसी विमान रूसी इलाके के ऊपर घंटों चक्कर लगाता रहा

मास्को। अमेरिका का बॉम्बार्डियर आर्टेमिस II जासूसी विमान मंगलवार को रूस के कालिनिनग्राद इलाके के ऊपर करीब पाँच घंटे तक चक्कर लगाता रहा। रिया नोवोस्ती द्वारा देखे गए फ़्लाइट डेटा के अनुसार, मंगलवार को यह विमान स्थानीय समयानुसार लगभग 05ः50 बजे उड़ा था और लगभग 07ः50 पर कालिनिनग्राद इलाके के ऊपर चक्कर लगाने वाले फ़्लाइट पथ में दाखिल हुआ। इसने 12ः35 तक इसी रास्ते का पालन किया, जिसके बाद यह दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़ गया। इस विमान को अमेरिकी कंपनी लेडोस ने रडार से जासूसी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक बिज़नेस जेट से बदलकर तैयार किया था। इसके मिलिट्री मॉडिफ़िकेशन में इसे आर्टेमिस ढ़्ग बना दिया गया। इसका इस्तेमाल नियमित रूप से कालिनिनग्राद इलाके के आसपास और क्रीमिया व रूस के अन्य दक्षिणी इलाकों के साथ-साथ काला सागर के ऊपर उड़ान भरने के लिए किया जाता है। हाल के वर्षों में, रूस अपनी पश्चिमी सीमाओं के पास उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की अभूतपूर्व गतिविधियों और सैनिकों की तैनाती को लेकर चिंता जताता रहा है।

सक्षिप्त समाचार

नेपाल के विदेश मंत्री बोले- संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री शाह के भाषण की वैश्विक चर्चा

काठमांडू। विदेशमंत्री शिशिर खनाल बुधवार सुबह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के बाद न्यूयॉर्क से काठमांडू लौट आए। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में खनाल ने कहा कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए संबोधन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व ध्यान खींचा। यह भाषण इस वर्ष महासभा का सबसे ज्यादा देखा गया भाषण बना और दुनिया भर के समाचार माध्यमों में इसे व्यापक सकारात्मक कवरेज मिली। खनाल ने जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित उच्चस्तरीय साइड इवेंट ‘सगरमाथा टू द सी-ए कॉल टू एक्शन फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंट प्यूचर’ की मेजबानी की। उन्होंने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ कई औपचारिक और अनौपचारिक द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। इन बैठकों में हाल ही में आई बाढ़ से हुई व्यापक तबाही और उसके बाद की स्थिति पर चर्चा की गई। खनाल ने बताया कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने नेपाल के प्रति गहरी संवेदना और मजबूत एकजुटता व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और जलवायु अनुकूलन के लिए उच्च सहभाग्य देने की प्रतिबद्धता भी जताई। विदेशमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में नेपाल की सक्रिय भूमिका से देश के राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूती से उठाने में मदद मिली है। साथ ही, नेपाल ने जलवायु संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित पर्वतीय देशों के लिए जलवायु न्याय की आवाज को भी वैश्विक स्तर पर प्रमुखता से उठाया है।

नेपाल में बाढ़ से 430 मेगावाट बिजली का संकट, सदियों में वैकल्पिक आपूर्ति की तैयारी तेज

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से कई जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने और राष्ट्रीय ग्रिड से करीब 430 मेगावाट बिजली के बाहर होने के बाद सरकार ने वैकल्पिक बिजली आपूर्ति की तैयारी शुरू कर दी है। बाढ़ से क्षति के कारण त्रिशूली कॉरिडोर के जरिए काठमांडू के बालाजु और चापाली क्षेत्रों में पहुंचने वाली बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके चलते इन क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने वाली वैकल्पिक ट्रांसमिशन लाइनों पर अतिरिक्त लोड का दबाव बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय ने वैकल्पिक बिजली आपूर्ति के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने का काम शुरू किया है। मंत्रालय के प्रवक्ता मोहन कुमार शायक के अनुसार, नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने काठमांडू की बिजली आपूर्ति व्यवस्था संभालने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। उन्होंने बताया कि आगामी सदियों में बिजली की अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था स्थापित करने की जरूरत तैयारियां की जा रही हैं। इसी सिलसिले में मंत्रालय ने मंगलवार को सड़क विभाग और काठमांडू महानगरपालिका के साथ अतिरिक्त भूमिगत बिजली ग्रिड के निर्माण और मौजूदा भूमिगत वितरण प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाने को लेकर चर्चा की। प्रवक्ता शायक ने बताया कि बैकवॉ में सड़क विभाग और काठमांडू महानगरपालिका के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर समन्वय कर ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ाने और अतिरिक्त भूमिगत नेटवर्क तैयार करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सदियों में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था की तैयारियों को तेज किया जा रहा है।

अगर ईरान से अनुरोध मिले तो आईईएए तुरंत वहां इंस्पेक्टर भेजने को तैयार है : ग़ोसी

संयुक्त राष्ट्र। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईईएए) के डायरेक्टर जनरल राफेल ग़ोसी ने बताया कि अगर ईरान से अनुरोध मिलता है तो एजेंसी देश में अपने कामकाज को पूरी तरह से फिर से शुरू करने के लिए तुरंत इंस्पेक्टर भेजने को तैयार है। ईरान में आईईएए का काम फिर से शुरू होने के बारे में पूछे जाने पर ग़ोसी ने रूसी यूएन एजेंसी रिया नोवोस्ती से बताया, अगर हमसे कहा जाए, तो कल ही, तुरंत। इस तैनाती के व्यावहारिक ध्येयों के बारे में पूछे गए एक और सवाल के जवाब में एजेंसी प्रमुख ने कहा कि एक्सपर्ट्स पहले से लौटने के लिए तैयार हैं। ग़ोसी ने कहा, व्यावहारिक तौर पर नहीं। हमारी टीमें तैयार हैं। हमें ठीक-ठीक पता है कि कहाँ जाना है और क्या करना है। इसलिए यह सिर्फ कहने की बात नहीं है; यह हमारी असल क्षमता है। हमारी टीमें तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। पिछले साल ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमलों और उसके बाद एजेंसी के साथ सहयोग रोकने के तेहरान के फैसले के कारण ईरान में आईईएए की बड़े पैमाने पर निरीक्षण गतिविधियां रुक गई थीं। सुरक्षा कारणों से आईईएए इंस्पेक्टरों को देश से वापस बुला लिया गया था, जबकि सुरक्षा उपायों के दायरे में आने वाली परमाणु सुविधाओं तक एजेंसी की पहुंच काफी सीमित कर दी गई थी। दूसरी ओर ईरान के एक राजनयिक सूत्र ने मंगलवार को रिया नोवोस्ती से कहा कि ईरान परमाणु मुद्दे पर तभी बातचीत के लिए तैयार होगा जब होम्बुर्ग जलडमरूमध्य का मसला सुलझ जाएगा और अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी हटा ली जाएगी।

फ्लाईडुबई की दुबई-तेल अवीव उड़ान में पायलटों के बीच झड़प, सऊदी अरब में कराई गई आपात लैंडिंग

दुबई। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 को बुधवार को विमान के भीतर हुई एक गंभीर घटना के बाद सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतरा गया। फ्लाईदुबई ने पुष्टि की है कि विमान सुरक्षित उतरा और सभी यात्री एवं चालक दल सुरक्षित हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बोइंग737 मैक्स8 में उड़ान के दौरान दोनों पायलटों के बीच शारीरिक झड़प हुई। विमान ने पहले 7700 का सामान्य आपातकालीन कोड और बाद में कुछ समय के लिए 7500 कोड प्रसारित किया, जिसका इस्तेमाल विमान में संभावित गैरकानूनी हस्तक्षेप या अपहरण की स्थिति के संकेत के तौर पर किया जाता है। इसके बाद विमान का रुख तबुक की ओर मोड़ दिया गया। विमान की अचानक ऊंचाई कम होने की भी जानकारी सुझने आई है। फ्लाइट-ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, विमान ने लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई खो दी। इसके बाद विमान ने अपना मार्ग बदला और सुरक्षित रूप से तबुक में उतर गया। शुरुआत में 7500 कोड के कारण विमान के अपहरण की आशंका जताई गई और इजराइल की ओर से लड़ाकू विमान भी भेजे जाने की खबरें सामने आईं। हालाँकि, इजराइली अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक आकलन में यह हाईजैकिंग की घटना नहीं बल्कि कॉर्पकपिट में पायलटों के बीच हुआ विवाद था। इजराइली मीडिया में यह भी रिपोर्ट किया गया है कि झड़प के दौरान एक पायलट घायल हुआ और यात्रियों तथा कबिन क्रू के कुछ सदस्यों ने स्थिति को नियंत्रित करने में मदद की। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक पायलट ने विमान को तेजी से नीचे ले जाने की कोशिश की थी। हालाँकि, इन विवरणों और घटना के सटीक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इजराइली सुरक्षा एजेंसियां घटना की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही हैं। इनमें आतंकवादी हमले की संभावित कोशिश का भी शामिल बताया गया है। वहीं, को-पायलट की राष्ट्रीयता और घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ, इसे लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। फ्लाईदुबई ने कहा है कि उसकी टीमों संघर्षित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं और अतिरिक्त पुष्टि होने पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी। फिहाल, सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है और घटना की जांच जारी है।

एशियन खेल 2026 : ऑल-वेदर ट्रेनिंग और सिमुलेशन से भारतीय तीरंदाजों ने रचा इतिहास



एशियाई खेलों में कपांड स्वर्धाओं में स्वर्णिम हैरिंक

नागोया। जापान के आइची-नागोया में भारतीय राष्ट्रगान की गूंज के बीच जब भारतीय तीरंदाजों ने एशियाई खेल 2026 में कपांडउ स्वर्धाओं के तीनों स्वर्ण पदक अपने नाम किए, उस ऐतिहासिक सफलता के पीछे महीनों की कठिन तैयारी, अलग-अलग मौसम में प्रशिक्षण और मुकाबले जैसी परिस्थितियों में मानसिक अभ्यास की अहम भूमिका रही। इस स्वर्णिम अभियान के केंद्र में रहे महाराष्ट्र के सातारा के 25 वर्षीय साहिल राजेश जाधव, जिन्होंने बुधवार को दो स्वर्ण पदक जीते और लॉस एंजिल्स 2028 ओलिंपिक के मिश्रित कपांडउ

टीम वर्ग में भारत के लिए कोटा भी हासिल किया। भारतीय पुरुष कपांडउ टीम में साहिल राजेश जाधव, कुशल दलाल और गणेश मणि रत्नम थिरुमुर ने चीन को 238-237 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे कुछ ही समय पहले साहिल ने च्विकिता तनीपार्थी के साथ मिलकर मिश्रित टीम स्वर्धा में दक्षिण कोरिया को शूटआफ में हराकर स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले दिन में ज्योति सुरेखा वेन्नम, च्विकिता तनीपार्थी और पृथिका प्रदीप की भारतीय महिला कपांडउ टीम ने चीन को 238-234 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम का यह स्कौर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला रहा। इस तरह भारत ने एशियाई खेलों में कपांडउ स्वर्धाओं के तीनों स्वर्ण पदक अपने

बरेका में अंतर-रेलवे कुश्ती के दूसरे दिन दांव-पेंच का रोमांच, फ्री स्टाइल में सेमीफाइनल की तस्वीर साफ

ग्रीको-रोमन के 60, 67, 77 एवं 97 किग्रा भार वर्गों में पहलवानों ने सेमी फाइनल में बनाई जगह

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के कुश्ती केंद्र में चल रही 67वीं पुरुष अखिल भारतीय अंतर-रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता-2026-27 के दूसरे दिन बुधवार को अखाड़े में दांव-पेंच, शक्ति और तकनीक का जबरदस्त संगम दिखा। विभिन्न भार वर्गों में पहलवानों ने अपने दमदार प्रदर्शन से मुकाबलों को बेहद रोमांचक बना दिया। एक-एक अंक के लिए पहलवानों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और मुकाबलों के साथ सेमी फाइनल की तस्वीर भी स्पष्ट होती गई। प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल के 65 किग्रा भार वर्ग में वेस्टर्न रेलवे के अनजय, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के नीरज, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के उदित तथा मेजबान बरेका के दीपांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी तरह 86 किग्रा फ्रीस्टाइल में रेलवे

कोच फैक्टरी के संजीव, बरेका के सचिन गिरी, वेस्टर्न रेलवे के परमीत तथा नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के सचिन ने अपने मुकाबले जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। इसी प्रकार 125 किग्रा फ्रीस्टाइल में नॉर्दर्न रेलवे के अनिरुद्ध, सेंट्रल रेलवे के महेंद्र गाई, वेस्टर्न रेलवे के अमन राठी तथा नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के जोंटी कुमार ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। ग्रीको-रोमन वर्ग के मुकाबलों में भी पहलवानों ने शानदार कुश्ती का प्रदर्शन किया। 60 किग्रा भार वर्ग में पूर्वोत्तर रेलवे के मनीष तथा नॉर्दर्न रेलवे के सूरज ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। 67 किग्रा भार वर्ग में नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के विकास, वेस्टर्न रेलवे के सचिन, सेंट्रल रेलवे के विक्रम कुर्द तथा अनिल ने अंतिम चार में प्रवेश किया। 77 किग्रा भार वर्ग में मेजबान बरेका के सागर ठाकरान, ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अमित, नॉर्दर्न रेलवे के विकास तथा वेस्टर्न रेलवे के सचिन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए सेमीफाइनल में स्थान बनाया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता हैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

नाम किए। इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों कोलकाता और सोनीपत में की गई सुनियोजित तैयारी रही। सोनीपत में मुकाबले जैसी परिस्थितियों में सिमुलेशन अभ्यास ने तीरंदाजों को मानसिक रूप से तैयार किया, जबकि भारत में अलग-अलग मौसम में प्रशिक्षण और जापान में अनुकूलन शिविर ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता की परिस्थितियों के लिए तैयार किया। साहिल के कोच हरेश कुमार ने पिछले कुछ महीनों की तैयारी के बारे में बताया कि टीम ने अलग-अलग मौसम में प्रशिक्षण लिया। उन्होंने साईं मीडिया से बातचीत में कहा, हमने हर तरह के मौसम में प्रशिक्षण लिया है। हमने हिमाचल प्रदेश के शिलारू में उंड और बारिश की परिस्थितियों में अभ्यास किया। इसके बाद हमने साईं, सोनीपत में प्रशिक्षण लिया, जहां बेहद गर्मी थी। हम एशियाई खेलों से करीब 10-15 दिन पहले जापान पहुंचे और वहां बेहद तेज हवाओं की परिस्थितियों में प्रशिक्षण लिया। यह सब साहिल की मेहनत का नतीजा है कि वह अपनी कड़ी मेहनत को स्वर्ण पदकों में बदलने में सफल रहा। दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद साहिल ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताई, लेकिन साथ ही भविष्य की चुनौतियों को लेकर भी स्पष्टता दिखाई।

आईसीसी विश्वकप 2027 का कार्यक्रम गुरुवार को होगा जारी, प्रशंसकों के लिए टिकट बैलेट की भी होगी शुरुआत

मुंबई। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप 2027 के कार्यक्रम की घोषणा 1 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में की जाएगी। यह आयोजन 2027 विश्वकप के लिए एक साल की उलटी गिनती को शुरुआत भी करेगा। टूर्नामेंट 2 अक्टूबर 2027 से शुरू होगा, जबकि फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेला जाएगा। इस दौरान प्रशंसकों के लिए टिकट बैलेट की शुरुआत भी की जाएगी। कार्यक्रम की घोषणा का सीधा प्रसारण रात 8:30 बजे से जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। 14 टीमों के टूर्नामेंट में 30 सितंबर की शुरुआत होगी। सभी 14 टीमों की जगह तय हो चुकी है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को मेजबान होने के कारण सीधे प्रवेश मिला है, जबकि भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर जगह बनाई है। बाकी चार स्थानों का फैसला अगले साल की शुरुआत में होने वाले क्वालिफायर

के जरिए होगा। दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को भी मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए क्वालिफायर से गुजरना होगा। इस बीच, भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली आगामी विश्वकप में अपनी टीम के लिए खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह उनका आखिरी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप हो सकता है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने जियोस्टार से बातचीत में विश्वकप जीतने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, आगामी वनडे विश्वकप जीतना शानदार होगा। मैं अभी इसे किसी चक्र के पूरा होने जैसी चीज के तौर पर नहीं देखना चाहता। भारत के लिए विश्वकप जीतना एक खास एहसास है। मैंने टी20 प्रारूप में इसे दो बार महसूस किया है। रोहित ने 2007 टी20 विश्वकप और 2024 टी20 विश्वकप की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि विश्वकप जीतने का एहसास उनके अंदर अब भी है और वह उस अनुभव को फिर से महसूस करना चाहते हैं।



जापान में एशियाई खेलों में की कपांड महिला टीम स्वर्धा में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम की ज्योति सुरेखा वेन्नम विश्वाण लग्गती हुई।

व्यापार समाचार

आर्मी इन्फोटेक ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद और लुढ़के शेयर

संक्षिप्त समाचार

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लुढ़के यूनिटेक फाइबर्स के शेयर, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। प्लास्टिक कचरा और पुराने पीईटी बोतलों को रिसाइकल कर हाई क्वालिटी के पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर (आरपीएसएफ) तैयार करने वाली कंपनी यूनिटेक फाइबर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लालिवा का जोर बना दिया, जिसके कारण इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 93.60 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गए। हालांकि इसके बाद मुनाफावस्तुी शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लाल निशान में 86.03 रुपये तक गिर भी गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 89 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर एक रुपये यानी 1.14 प्रतिशत के फायदे में रहे। कारोबार के दौरान यूनिटेक फाइबर्स के शेयर आज लाल निशान में 86.03 रुपये के निचले स्तर तक भी पहुंचे। दोपहर 12:30 बजे तक बीएसई पर कंपनी के 12,25,600 शेयरों में कारोबार हो चुका था और कारोबार का कुल वैल्यू 11.30 करोड़ रुपये रहा था। इस समय शेयर का वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस (वीडब्ल्यूएपी) 90.06 रुपये के स्तर पर था। इस कंपनी का लगभग 34 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सभ्यक्रिषण के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्रॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.16 गुना सभ्यक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.94 गुना सभ्यक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.88 गुना सभ्यक्रिषण आया था।

स्टॉक मार्केट में सांकेतिक बढ़त के साथ कोर इटीग्राफ कंसल्टिंग की एंट्री, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड क्षमन रिसोर्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर कोर इटीग्रा कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे की बढ़त के साथ 78.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर फिसल कर 74.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक चला गया। हालांकि बाद में लिवाली शुरू हो जाने की वजह से लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। लिवाली के सपोर्ट से ये एक बार फिर हरे निशान में पहुंच गया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद ये शेयर 78.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर सिर्फ 90 पैसे यानी 1.15 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 21.99 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर, 2026 के बीच सभ्यक्रिषण के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फोका रिस्रॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 1.39 गुना सभ्यक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सभ्यक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सभ्यक्रिषण आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.41 गुना हो सभ्यक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,19,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने मौजूदा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपडेट करने, ब्रांड प्रमोशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

नई दिल्ली। एंड टू एंड आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी मैनेज्ड सर्विसेज और रिस्रॉन्स एनर्जी सेक्टर में काम करने वाली कंपनी आर्मी इन्फोटेक लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 375 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1.642 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 368.85 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 375 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने आईपीओ निवेशकों को तब और झटका लगा, जब इस शेयर की बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर गिरकर 295.10 रुपये के लोअर



सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि बाद दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ में कुछ सुधार भी हुआ। बाजार में पूरे दिन हुई खरीद-बिक्री के बाद ये शेयर 295.35

रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 79.65 रुपये यानी 21.24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस

दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.03 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। सितंबर के आखिरी दिन आज घरेलू शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव होता रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अच्छी बढ़त बनाने में सफल रहे, लेकिन यह मजबूती दिन के दूसरे सत्र में टिक नहीं सकी। दोपहर 1:30 बजे के बाद चॉतरफा बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में आज के कारोबार के दौरान हुए उतार-चढ़ाव का अंदाज इसी बात लगाया जा सकता है कि बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 621.08 अंक उछल गया। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर इसने ऊपरी स्तर से 695.79 अंक तक गोता भी

लगा दिया। इसी तरह निफ्टी दिन के पहले सत्र में ओपनिंग लेवल से 144.35 अंक की छलांग लगाने में सफल रहा। इसके बाद जब बिकवाली शुरू हुई तो यह ऊपरी स्तर से 214.15 अंक लुढ़क भी गया। बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों को आज 2.03 लाख करोड़ रुपये (अर्नातम) का नुकसान हो गया। बीएसई का सेंसेक्स आज 87.92 अंक यानी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,441.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने थोड़ी देर में ही सुधर कर हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 621.08 अंक उछल कर 533.16 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73,062.23 अंक के स्तर तक आ गया।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर ज़िले में बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की।

एलिवेट कैपसेस ने निवेशकों को दिया झटका

नई दिल्ली। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चरल मैनेजमेंट करने वाली कंपनी एलिवेट कैपसेस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 362 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1.52 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 356.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 1.91 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 355.10 रुपये के स्तर पर हुई।

पेंटाकल कंसल्टेंट्स (आई) लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली। मुंबई स्थित पेंटाकल कंसल्टेंट्स (आई) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के मुताबिक पेंटाकल कंसल्टेंट्स (आई) लिमिटेड कंपनी के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में 106.69 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर पल्लवी महेंद्र मोरे के द्वारा 21,25,000 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है। कंपनी इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाली 22.16 करोड़ रुपये की रकम का इस्तेमाल सेगमेंटल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड एसआईडीएल के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए कैश पेमेंट करने में करेगी, जबकि

एशियन खेल 2026 : सुनील ने जीता कांस्य, ग्रीको-रोमन कुश्ती में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय

नागोया। भारतीय पहलवान सुनील कुमार ने एशियन खेल 2026 में पुरुषों के ग्रीको-रोमन 87 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया है। सुनील ने बुधवार को कांस्य पदक मुकाबले में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9-0 से हराया। नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में हुए मुकाबले में सुनील ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने 9-0 की बहुत हासिल की और मुकाबला खत्म होने में करीब तीन मिनट बाकी रहते ही तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ सुनील कुमार एशियन खेल में ग्रीको-रोमन कुश्ती में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बन गए हैं। उन्होंने इससे पहले 2023 हांगझोऊ एशियन खेल में भी कांस्य पदक जीता था। सुनील ने हांगझोऊ में अपने अभियान की शुरुआत ताजिकिस्तान के मुहम्मद सुल्टोनजोदा को 9-0 से हराकर की थी। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताइजो योशिदा के खिलाफ 0-11 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए रॉबर्ट्स को एकतर्फा अंदाज में हराया। सुनील का यह प्रदर्शन एशियन खेल में भारतीय कुश्ती के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि उन्होंने ग्रीको-रोमन शैली में देश के लिए लगातार दूसरे एशियन खेल में पदक सुनिश्चित किया है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: विराट कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे, शुभमन शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कप्तान शुभमन शिल के बेहद करीब पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में खेले गए पहले वनडे में दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने शतक लगाए लेकिन कोहली की नाबाद 139 रनों की पारी ने उन्हें रैंकिंग में दूसरा स्थान दिला दिया। कोहली ने महज 88 गेंदों में नाबाद 139 रन बनाए और भारत ने 296 रन के लक्ष्य को 50 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। यह कोहली का रिकॉर्ड 55वां वनडे शतक था। इस पारी के साथ उन्होंने वनडे क्रिकेट में 15,000 रन भी पूरे किए। कोहली को इस शानदार प्रदर्शन का फायदा रैंकिंग में मिला। वह डेरिल मिशेल को पीछे छोड़ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 767 से बढ़कर 796 हो गई है और अब वह शीर्ष पर मौजूद गिल से सिर्फ 20 रेटिंग अंक पीछे हैं। गिल ने 110 रन की पारी के बाद अपनी रेटिंग 801 से बढ़ाकर 816 कर ली है। कोहली की मौजूदा रेटिंग जुलाई 2022 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ है। कोहली इस साल जनवरी में तीन दिनों के लिए रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहे थे। वह वनडे रैंकिंग में कुल 1,547 दिन नंबर एक रह चुके हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम बेंटन को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 126 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह 333 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 83वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के कुसल मंडिस 198 रन के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि फेन डकेट चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीटज़्जे 136 रन बनाने के बाद 19 स्थान की छलांग लगाकर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 151 रन बनाने के बाद 41वें स्थान पर रैंकिंग में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 10 स्थान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कंपनी का 300 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सभ्यक्रिषण के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्रॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.62 गुना सभ्यक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.20 गुना (एक्स एंकर) सभ्यक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.24 गुना सभ्यक्रिषण आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.65 गुना सभ्यक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए

पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्रोजेक्ट वर्क का विस्तार करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। आर्मी इन्फोटेक की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 50.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 41.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 45.47 करोड़ रुपये हो गया।

यूपीआई मुद्दे पर देशभर के व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवा के नेतृत्व में वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण से मुलाकात की। कैट ने 2 हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.40 फीसदी मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क पर सकारात्मक आक्षानन मिलने के बाद 2 अक्टूबर, 2026 को प्रस्तावित नो यूपीआई डे के आह्वान को वापस लेने का निर्णय किया है। खंडेलवाल ने कहा कि देश के विभिन्न वर्गों के करीब 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण से मुलाकात कर 2 हजार से अधिक के यूपीआई के लेन-देन पर प्रस्तावित 0.40 फीसदी की एमडीआर के संबंध में व्यापारिक समुदाय की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया।

इसके अलावा बाकी रकम का इस्तेमाल अज्ञात अधिग्रहणों के जरिए इनऑर्गेनिक गोथ, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और ऑफर से जुड़े खर्चों के लिए किया जाएगा। पेंटाकल कंसल्टेंट्स (आई) लिमिटेड का यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के माध्यम से लाया जा रहा है, जिसमें नेट ऑफर का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदार को नहीं दिया जाएगा और नेट ऑफर का कम-से-कम 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा कग्राश: गैर-संस्थागत बोलीदाता और खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाता को दिया जाएगा।

मोपाल, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

www.rashtriyagarima.com

07





कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं प्रदेश के किसान : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उमरिया के बलराम कृषि महोत्सव से वृत्तुअली जुड़े

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को उपज का समुचित मूल्य दिलवाने के लिए नई कृषि तकनीक और खाद्य प्रसंस्करण को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को नई तकनीक का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा उमरिया जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उमरिया जिला कोयला भंडारों के लिए प्रसिद्ध है, जिसे काला सोना भी



कहते हैं। यहां स्थित बांधवगढ़ किला मध्य प्रदेश की शान है। उमरिया जिला प्राकृतिक औषधि और वन्यजीव संपदा से समृद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

उत्तम खेती के लिए सिंचाई सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। इसीलिए राज्य सरकार ने हर गांव और हर खेत को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का

संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि किसान धान और शीअन्न फसलों के उपार्जन के लिए समय रहते पंजीयन कराएं, ताकि एमएसपी का लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इसी सीजन से किसानों को दिन में भी 10 घंटे बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को किसान चौपाल लगाकर हितग्राहियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान गोपालन, दूध उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यानिकी फसलों और जैविक-प्राकृतिक खेती को अपनाकर अपनी आय बढ़ाएं। उन्होंने उमरिया के किसानों को बताया कि शीघ्र ही जिले में एक बड़ी फूड प्रोसेसिंग यूनिट शुरू होगी। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को पंचायत स्तर पर दुग्ध संकलन

समितियों के पंजीयन कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से कस्टम हायरिंग सेंटर और सोलर पंप जैसी कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा कार्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान जारी है। राज्य सरकार जिलों में जन विश्वास अभियान के जरिए भी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दे रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्र के अधिलेखों की निशुल्क रजिस्ट्री करवाई जा रही है। किसानों को भी इस स्वाभिम्य योजना का लाभ मिल रहा है। संपत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से हितग्राही बैंक लोन और अन्य आवश्यकताओं के लिए इसे उपयोग कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षित और

समृद्ध मध्यप्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार स्कूली बच्चों को कई सौगातें दे रही है। शासकीय स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी दी गई हैं। प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को निशुल्क किताबें, ड्रेस और साइकिलें वितरित की जा रही हैं। प्रदेशभर में सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किए गए हैं। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उड़के, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बलराम कृषि महोत्सव के लिए उमरिया में उपस्थित मंत्री नागर सिंह चौहान और पूर्व मंत्री मीना सिंह से भी संवाद किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय जन उपस्थित थे।

मप्र में संगठन को मजबूत करने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे : बिप्लब देव

प्रदेश भाजपा प्रभारी देव और हेमंत खंडेलवाल ने बृथ अध्यक्ष के घर किया भोजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार और प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा भोपाल के बीजेपी कार्यालय पहुंच गए हैं। प्रदेश संगठन में नई जिम्मेदारी संभालने के बाद दोनों नेताओं का यह पहला महत्वपूर्ण दौरा है। प्रदेश कार्यालय में दीनदयाल उपाध्याय और रयामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल एक किनारे खड़े थे। इसी दौरान बिप्लब देव ने इशारे से कैलाश विजयवर्गीय को अपने पास बुलाया। विजयवर्गीय उनके पास पहुंचे और दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई। इसके बाद देव पार्टी नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। बिप्लब कुमार देव ने कहा कि वे और रेखा वर्मा मिलकर मध्य प्रदेश में संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाएंगे। सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने और संगठन को



मजबूत करने के लिए दोनों मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन की टीम जो काम करने जा रही है, उसमें सहयोग करना उनका लक्ष्य है। प्रभारी देव ने कहा कि हनुमानजी के दर्शन किए हैं। जिस तरह हनुमानजी ने रामराज्य की स्थापना के लिए काम किया, उसी दिशा में काम करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति यानी अंत्योदय तक पहुंचना

उनकी प्रार्थनिकता है। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मध्य प्रदेश की सह प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि वह मध्य प्रदेश जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर शीघ्र नेतृत्व का धन्यवाद करती हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को नीचे तक मजबूत करने के लिए काम किया जाएगा। रेखा वर्मा ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश में मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार विकास कार्यों को

आगे बढ़ा रही है। सरकार और संगठन मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने और सरकार के काम को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे। देव के कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात को भी प्रमुखता दी गई है। दोपहर 2 बजे वे पूर्व राज्यपाल प्रो. कसान सिंह सोलंकी के आकृति गार्डन स्थित निवास पहुंचें। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल,राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देव, विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन और जिलाध्यक्ष रविंद्र यती ने बुधवार को दिक्षण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के तात्या टोपे मंडल अंतर्गत वार्ड 32 के बृथ क्र. 69 की अध्यक्ष मीना जाटव के निवास पर दोपहर का भोजन किया और परिवारजनों से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर जाटव परिवार ने सभी वरिष्ठ नेताओं का श्रौफल एवं पौधे भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज करेंगे अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों का सम्मान



100 वर्ष या अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक होंगे 'शतायु सम्मान' से सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों का सम्मान करेंगे। गुस्वार, 01 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के संकल्प के साथ राज्य स्तरीय आयोजन होगा। कार्यक्रम आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में 500 से अधिक वरिष्ठजन और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त के.जी. तिवारी ने सभी जिला कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त और उप संचालकों को आयोजन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में 100 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर 'शतायु सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। योगदान देते रहे हैं। उनका सम्मान केवल एक

औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की जिम्मेदारी है। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना सभी का दायित्व है। जनसंपर्क अधिकारी अनिल वरिष्ठ ने बुधवार को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर प्रदेश के सभी जिलों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त के.जी. तिवारी ने सभी जिला कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त और उप संचालकों को आयोजन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में 100 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर 'शतायु सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। योगदान देते रहे हैं। उनका सम्मान केवल एक

उनके दीर्घ जीवन और समाज को दिए योगदान का अभिनंदन किया जाएगा। वृद्धाश्रमों में निवासरत वरिष्ठजनों तथा अन्य बुजुर्गों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी भी ली जाएगी। वरिष्ठजनों की सक्रिय सहभागिता और मनोरंजन के लिए कैरम, लुडो, शतरंज, गीत-संगीत सहित विभिन्न इंडोर गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इन आयोजनों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक रूप से सक्रिय रखने के साथ उनके बीच संवाद और सहभागिता का वातावरण तैयार करना है। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला चिकित्सालयों, सिविल डिस्पेंसरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाएंगे। इनमें रक्तचाप, मधुमेह, नेत्र परीक्षण सहित सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बदलते डिजिटल परिवेश में वरिष्ठ नागरिकों को सक्षम बनाने के लिए मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल सेवाओं और कम्प्यूटर के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण एवं दिव्यांगकता शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। इससे वरिष्ठजन डिजिटल सेवाओं का सहज सज्जता से उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 एवं मध्यप्रदेश नियम-2009 के अंतर्गत उपलब्ध अधिकारों, सहायता और शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी।

आयुष्मान योजना का बकाया भुगतान जल्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

राजधानी भोपाल के 468 निजी अस्पतालों का भुगतान अटका होने का दावा

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का इलाज करने वाले निजी अस्पतालों के डॉक्टर और स्टाफ बुधवार को भुगतान में देरी और एनएबीएच की अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे। प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने जेपी अस्पताल परिसर स्थित आयुष्मान योजना के कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और बकाया भुगतान जल्द जारी करने की मांग की। यूनाइटेड प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन (यूपीएचडीए) के उपाध्यक्ष डॉ. धनंजय मिश्रा ने कहा कि निजी अस्पतालों को पिछले 5-6 महीने से आयुष्मान योजना की राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इससे अस्पतालों के सामने दवाइयों के बंडर्स, कर्मचारियों और अन्य जरूरी खर्चों का भुगतान करने में परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि बकाया राशि का तत्काल भुगतान नहीं किया गया तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। अस्पताल एसोसिएशन के अनुसार भोपाल में करीब 468 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। संगठन का दावा है कि प्रत्येक अस्पताल का औसतन करीब डेढ़

से दो करोड़ रुपए तक का भुगतान लंबित है। हालांकि,लंबित राशि का आधिकारिक विभागीय आंकड़ा प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक नहीं किया गया। प्रदर्शन के दौरान अस्पताल संचालकों ने आयुष्मान योजना में एनएबीएच की अनिवार्यता का मुद्दा भी उठाया। अस्पताल संगठनों का कहना है कि वे अस्पतालों में गुणवत्ता मानकों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन छोटे और मध्यम अस्पतालों के लिए एनएबीएच की अनिवार्यता व्यावहारिक नहीं है।संगठनों का आरोप है कि लगातार आपत्तियां और जापन देने के बावजूद इस मामले में विभाग का रुख सख्त है। अस्पताल संचालकों का आशंका है कि एनएबीएच की शर्त पूरी नहीं करने वाले कई अस्पतालों को आयुष्मान योजना के पैनल से बाहर किया जा सकता है। अस्पताल संगठनों का कहना है कि उन्हें विभागीय स्तर से ऐसी जानकारी मिली है कि 1 अक्टूबर से भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में बड़ी संख्या में अस्पतालों के डी-एम्प्लेनमेंट की कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, संगठन की ओर से बताई गई इस संभावित कार्रवाई को लेकर अभी तक संबंधित अस्पतालों की अंतिम आधिकारिक सूची या आदेश सार्वजनिक नहीं हुआ है।

अनिवार्य हेलमेट-सीटबेल्ट को लेकर मध्यप्रदेश में 10 दिन विशेष अभियान

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के लिए यातायात नियमों को दोगे बढ़ावा

भोपाल। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में हेलमेट और सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग को लेकर 10 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। यह अभियान 28 सितंबर से प्रारंभ होकर 8 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान के दौरान प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि वाहन चालकों में सुरक्षित यातायात व्यवहार विकसित करना और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाना भी है। सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में सामने आया है कि दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट तथा चर पहिया वाहन चालकों और यात्रियों द्वारा सीटबेल्ट का उपयोग नहीं करने पर दुर्घटना की स्थिति में गंभीर चोट और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अभियान के दौरान हेलमेट और सीटबेल्ट के शत-प्रतिशत उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रमुख चौराहों, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों तथा दुर्घटना

संभावित क्षेत्रों यानी ब्लैक स्पॉट पर विशेष चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। निर्धारित समय पर इन स्थानों पर घघन जांच की जाएगी। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों और सीटबेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार चालानी कार्रवाई होगी। दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाली सवारी के लिए भी हेलमेट अनिवार्य होने को लेकर विशेष रूप से जागरूक किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालक और पीछे बैठी सवारी के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिन शहरों में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध हैं, वहां निगरानी के लिए तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल किया जाएगा। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) सहित उपलब्ध तकनीक के जरिए नियमों का उल्लंघन करने वालों के ई-चालान किए जाएंगे। हेलमेट और सीटबेल्ट नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन के लिए मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को प्रस्ताव भेजने की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रवर्तन के साथ जन-जागरूकता पर भी विशेष जोर रहेगा। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, औद्योगिक संस्थानों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में हेलमेट और सीटबेल्ट के महत्व को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



अध्यक्ष, मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ सहकारी मर्यादित एवं राज्यमंत्री मधुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार ने संघ की 29वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित किया।